शास्त्री (B.A.) द्वितीय वर्ष

हिन्दी साहित्य- चतुर्थ पत्र

हिन्दी की गद्य विधाएँ

1. इस पत्र में लगभग सभी गद्य विधाओं के पाठ को पढ़ाया जाता है।
2. नाटक, एकांकी तथा व्यंग्य के मूल पाठ के साथ यह अभ्यास कर पाएँगे। पाठ के साथ-साथ उसके तत्वों एवं घटकों को समझ सकेंगे।
3. निबंध तथा रिपोर्ताज का पठन-पाठन तथा लेखन कैसे करें।
4. कहानी के नेरेटिव्स क्या हैं, वह अन्य गद्य विधाओं से कैसे अलग है
5. संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा तथा यात्रा वृतांत को पढ़ते हुए इन विधाओं में किस आधार पर अंतर किया जाता है। इन विधाओं के सहारे अपने इतिहास को कैसे समझा और संजोया जाय, इन सब विषयों को विस्तार से जान पाएँगे।

हिन्दी उपन्यास तथा हिन्दी गद्य का इतिहास

1. इस पत्र के अंतर्गत हिन्दी दो प्रसिद्ध उपन्यास- 1. गबन- प्रेमचंद तथा 2. आपका बंटी- मन्नू भंडारी का उपन्यास पढ़ेंगे।
2. दोनों उपन्यास समाज के दो स्वरूप को दर्शाते हैं। छात्र इन्हें पढ़कर साहित्य और समाज के संबंध को समझ पाएँगे।
3. निबंध, नाटक, एकांकी तथा व्यंग्य कहानी, उपन्यास, आत्मकथा संस्मरण, रेखाचित्र, तथा यात्रा वृतांत आदि सभी विधाओं के उद्भव और विकास को पढ़ेंगे।
4. इसके अतिरिक्त इन सभी विधाओं का विजुअलाइजेशन कैसे किया जाय, इसकी तकनीकि को भी सीख पाएँगे।
5. इसमें सबसे महत्वपूर्ण है अन्तर अनुशासनात्मक परिवर्तन। इसमें छात्र यह सीख पाएँगे कि कहानी का नाट्य रूपांतरण कैसे किया जाता है।
6. गद्य विधाओं में किए जाने वाले नवीन प्रयोगों को भी समझ पाएँगे।।